

19/5/21

पत्रावली पेश करने पर तहसील प्रशासन उपस्थित हो श्रीमान
कोर्ट के जरी महोदय वॉर/ अवकाश/ अन्य
रखवाले को अवकाश रखते हैं। पत्रावली दि 31.8.21
को पेश हो।

31.8.21

वकील प्रार्थी/अप्रार्थी/उभयपक्ष उपस्थित
पत्रावली पूर्ण आदेशानुसार दि. 7.12.21
को पेश हो।

प्रशासन नांवे के
संग अभियान 2021
केम्प कोर्ट
नोटिस नं 1

2/10/21

पत्रावली प्रशासन गांवों के संग अभियान के
तहत केम्प कोर्ट राजलावता में आज पेश
हुई। प्रार्थिया सोसर उपस्थित हैं। तहसीलदार
नैनवां की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। संक्षेप
में वाद का कथन इस प्रकार है कि ग्राम
राजलावता की कृषि भूमि खसरा सं. 80।
खुबा 6 बीघा 9 बिस्वा भूमि पर वादीगण
का विगत 40 वर्षों से निरन्तर निर्बाध
रूप से कब्जा काश्त चला आ रहा है।
जिसके कारण वादीगण कब्जा मुखापाना
के सिद्धान्त के आधार पर इस भूमि के
खातेदार आसामी बन चुके हैं। अतः निवेदन
है कि उक्त भूमि का खातेदार आसामी
वादीगण को द्योषित किया जावे तदनुसार
राजस्व अमिलेख जमाबंदी आदि में
वादीगण के नाम का अंकन किया जावे।
तहसीलदार नैनवां ने अपने जवाब में
निवेदन किया कि उक्त विवादित भूमि
किसू बंजड़ सिवाथचक्र दर्ज रिमांड है।
जिसके 4 बीघा हिस्से पर सोसर जगदीश
जगदीश 5/ देवलाल जीम गुजर निवासी
राजलावता द्वारा कब्जा कर रखा है। धारा-
31 (1-14) में जगदीश देवलाल के नाम
2 बीघा भूमि दर्ज है।


श्रीमान सोसर

हमने वाद पत्र, प्रस्तुत शपथ-पत्र
प्रस्तुत रिमांड दस्तावेज एवं जवाब प्रतिवासी
पैरोकार सरकार तहसीलदार नैनवां आदि
का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। वाद पत्र

उपखण्ड अधिकारी
नैनवां (बूना)

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

में बहस सुनी गयी तहसीलदार नैनवा
की रिपोर्ट से स्पष्ट है भूमि सिवायचक्र
है जिस पर वादीगण अतिक्रमण है। ऐसा
कोई दस्तावेजी न्याय संगत एवं विधि
मान्य बतबूत वादीगण ने पेशा नहीं
किया है जिसके तहत वादीगण को
स्वातंत्र्य अधिकार दिये जा सकें। अतः
वादीगण का वाद सारहीन होने से
स्वारिज किया जाता है। निर्णय खुले
न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली बाद
तकमिल कारखिल दफ्तर है।

उपखण्ड अधिकारी
नैनवां (बुन्दी)